श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन (SKPF) एवं WINCOMPETE- संयुक्त टेस्ट सीरीज - 2026

टेस्ट 06 - मध्यकालीन भारत का इतिहास

सेक्शन 2: आंसर की (Answer Key)

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
1	A	11	D
2	C	12	A
3	A	13	B
4	B	14	C
5	C	15	C
6	C	16	D
7	A	17	B

wincompete

8	B	18	C
9	C	19	D
10	B	20	B

आंसर की (Answer Key)

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
21	A	31	B
22	B	32	C
23	B	33	A
24	A	34	A
25	C	35	A
26	C	36	C

wincompete

27	A	37	D
28	D	38	B
29	D	39	A
30	B	40	B

आंसर की (Answer Key)

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
41	C	51	A
42	C	52	B
43	B	53	C
44	C	54	B
45	D	55	B

wincompete

46	A	56	A
47	C	57	D
48	A	58	B
49	B	59	A
50	C	60	B

आंसर की (Answer Key)

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
61	C	71	A
62	C	72	B
63	A	73	D
64	D	74	A

wincompete

65	D	75	C
66	A	72	C
67	A	77	A
68	B	78	C
69	A	79	C
70	A	80	A

आंसर की (Answer Key)

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
81	A	91	A
82	C	92	A
83	A	93	A

wincompete

84	B	94	C
85	D	95	C
86	B	96	D
87	C	97	C
88	A	98	A
89	C	99	C
90	B	100	A

wincompete

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन (SKPF) एवं WINCOMPETE- संयुक्त टेस्ट सीरीज - 2026

टेस्ट 06 - मध्यकालीन भारत का इतिहास

विस्तृत व्याख्या (Explanations)

प्रश्न: 1

सही उत्तर: A

व्याख्या: इल्तुतमिश ने दिल्ली सल्तनत की मुद्रा प्रणाली को सुदृढ़ करते हुए शुद्ध अरबी सिक्के चलाए, जिसमें चांदी का 'टंका' (175 ग्रेन) और तांबे का 'जीतल' प्रमुख थे। 1229 ई. में उसे बगदाद के खलीफा से 'खिलात' मिला, जिससे सल्तनत को कानूनी मान्यता मिली। कथन 3 असत्य है क्योंकि इल्तुतमिश ने इक्ता प्रणाली को समाप्त नहीं किया, बल्कि उसे सुव्यवस्थित कर प्रशासनिक विकेंद्रीकरण का मुख्य आधार बनाया, जिसने पुराने सामंतवाद को कमजोर किया।

प्रश्न: 2

सही उत्तर: C

व्याख्या: बलबन ने सिजदा और पाबोस जैसी कठोर ईरानी परंपराएं सुल्तान के पद की प्रतिष्ठा और निरंकुशता स्थापित करने के लिए लागू की थीं। कारण (R) असत्य है क्योंकि बलबन की मंगोल नीति रक्षात्मक और 'सुदृढ़ीकरण' की थी, विस्तारवादी नहीं। उसने अपने पुत्र शहजादा मोहम्मद को सीमा रक्षा के लिए नियुक्त किया था, जहाँ वह लड़ते हुए मारा गया। उसने स्वीकार किया था कि वह मंगोल खतरे के कारण दिल्ली नहीं छोड़ सकता।

प्रश्न: 3

सही उत्तर: A

व्याख्या: आरिज-ए-मुमालिक सैन्य विभाग (दीवान-ए-आरिज) का प्रमुख था, जिसे बलबन ने पृथक किया। बरीत गुप्तचर अधिकारी थे। फवाजिल वह अधिशेष राजस्व था जो इक्तादार अपना खर्च निकालने के बाद केंद्र को भेजते थे। तुर्कान-ए-चहलगानी 40 वफादार गुलामों का दल था, जिसका गठन इल्तुतमिश ने किया था।

प्रश्न: 4

सही उत्तर: B

व्याख्या: बलबन ने मंगोलों के प्रति 'सुदृढ़ीकरण' (Consolidation) और रक्षात्मक नीति अपनाई। उसने सीमांत क्षेत्रों में पुराने किलों की मरम्मत करवाई और योग्य सेनापतियों को तैनात किया, लेकिन सीमा पार करके मंगोल क्षेत्रों पर आक्रमण करने का प्रयास नहीं किया। अन्य सभी कथन (सैन्य विभाग का पृथक्करण, ईरानी परंपराएं, गुप्तचर प्रणाली) बलबन की नीतियों के संबंध में सत्य हैं।

wincompete

प्रश्न: 5

सही उत्तर: C

व्याख्या: अलाउद्दीन खिलजी ने सैनिकों को 'इक्ता' के स्थान पर 'नकद वेतन' देना शुरू किया था, अतः कथन 1 गलत है। सैन्य विभाग (दीवान-ए-आरिज) को पृथक विभाग के रूप में बलबन ने स्थापित किया था, न कि अलाउद्दीन ने; अलाउद्दीन ने तो केवल उसमें 'दाग और हुलिया' जैसे सुधार किये थे, अतः कथन 3 भी गलत है। केवल कथन 2 सत्य है क्योंकि उसने सैन्य दक्षता हेतु वैज्ञानिक निरीक्षण पद्धति अपनाई थी।

प्रश्न: 6

सही उत्तर: C

व्याख्या: अलाउद्दीन खिलजी ने बाजार नियंत्रण नीति के तहत सभी वस्तुओं के मूल्य बहुत कम निर्धारित किए थे। हालाँकि, इसका प्राथमिक उद्देश्य लोक कल्याण नहीं, बल्कि सैन्य आवश्यकता थी। बरनी के अनुसार, अलाउद्दीन को एक विशाल सेना की आवश्यकता थी, और सीमित संसाधनों में सैनिकों को कम वेतन पर तभी रखा जा सकता था जब दैनिक उपयोग की वस्तुएं सस्ती हों। अतः कथन सत्य है, पर कारण असत्य है।

प्रश्न: 7

सही उत्तर: A

व्याख्या: अलाउद्दीन ने 'मसाहत' (भूमि पैमाइश) के आधार पर उपज का 50% खराज तय किया। इस सीधी वसूली प्रणाली ने ग्रामीण मध्यस्थों (खुद, मुकद्दम, चौधरी) के पारंपरिक विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया और उन्हें भी सामान्य किसानों की तरह कर देने पर मजबूर किया। निष्कर्ष 2 गलत है क्योंकि इन सुधारों का लक्ष्य राज्य की आय बढ़ाना था, न कि किसानों की आय बढ़ाना।

प्रश्न: 8

सही उत्तर: B

व्याख्या: शहना-ए-मंडी अनाज बाजार का अधीक्षक होता था। परवाना रईस 'सराय-ए-अदल' के लिए परमिट या लाइसेंस जारी करने वाला अधिकारी था। बरीत बाजार के आधिकारिक निरीक्षक थे जो नियमित रिपोर्ट देते थे। मुनहियान सुल्तान के निजी गुप्तचर थे जो स्वतंत्र रूप से बाजार की सूचनाएं पहुँचाते थे।

प्रश्न: 9

सही उत्तर: C

व्याख्या: मुहम्मद बिन तुगलक ने दोआब में कर वृद्धि की, लेकिन अकाल और प्लेग के कारण यह विफल रही। उसने कृषि के वैज्ञानिक विकास के लिए 'दीवान-ए-अमीर-कोही' विभाग स्थापित किया। कथन 2 असत्य है क्योंकि सांकेतिक मुद्रा की विफलता का मुख्य कारण राज्य द्वारा टकसाल पर प्रभावी नियंत्रण न रख पाना और बड़े पैमाने पर जाली सिक्कों का निर्माण था, न कि चांदी का प्रवाह।

wincompete

प्रश्न: 10

सही उत्तर: B

व्याख्या: फिरोज शाह तुगलक ने सिंचाई के लिए व्यापक नहर प्रणाली विकसित की और इन नहरों के पानी का उपयोग करने वाले किसानों पर 'हक-ए-शर्ब' (सिंचाई कर) लगाया। यह भी सत्य है कि वह पहला सुल्तान था

जिसने ब्राह्मणों पर अलग से जजिया कर लगाया। दोनों कथन सत्य हैं, लेकिन जजिया लगाना नहर निर्माण का कारण नहीं है; दोनों स्वतंत्र नीतियां थीं।

प्रश्न: 11

सही उत्तर: D

व्याख्या: 'दीवान-ए-इस्तिहाक' पेंशन और वजीफा देने वाला विभाग था। कृषि ऋण (तकावी/सोनधर) देने की व्यवस्था मुख्य रूप से मुहम्मद बिन तुगलक के समय महत्वपूर्ण थी। अन्य सभी युग्म (खैरात, शफा, बंदगान) फिरोज शाह तुगलक द्वारा स्थापित कल्याणकारी विभागों के संबंध में सही हैं।

प्रश्न: 12

सही उत्तर: A

व्याख्या: फिरोज तुगलक की वंशानुगत सैन्य नीति ने सेना में अयोग्य व्यक्तियों के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त किया, जिससे केंद्रीय सैन्य शक्ति कमजोर हुई। निष्कर्ष 2 गलत है क्योंकि फिरोज के समय सल्तनत का विस्तार नहीं हुआ, बल्कि बंगाल और दक्कन जैसे कई क्षेत्र स्वतंत्र हो गए। उसने विस्तारवादी नीति के स्थान पर लोक कल्याण और आंतरिक सुदृढ़ीकरण पर ध्यान दिया था।

प्रश्न: 13

सही उत्तर: B

व्याख्या: बहलोल लोदी ने अफगान कबीलाई परंपराओं का सम्मान करते हुए 'मसनद-ए-आली' के सिद्धांत पर शासन किया। इब्राहिम लोदी ने इसके विपरीत निरंकुश राजत्व स्थापित करने का प्रयास किया, जिससे अफगान अमीर नाराज हो गए। कथन 2 असत्य है क्योंकि सिकंदर लोदी ने बहलोल की तुलना में अधिक कठोर और केंद्रीकृत नीति अपनाई थी और राजत्व की गरिमा बढ़ाई थी।

प्रश्न: 14

सही उत्तर: C

व्याख्या: अभिकथन (A) सत्य है कि उसने 1504 में आगरा बसाया। परन्तु कारण (R) असत्य है क्योंकि आगरा की स्थापना का उद्देश्य जौनपुर (जो पूर्व में है) नहीं, बल्कि राजस्थान के राजपूत शासकों पर नियंत्रण रखना और दक्षिण-पश्चिम के व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा करना था। जौनपुर की विजय तो उसके पिता बहलोल लोदी के समय ही पूर्ण हो गई थी।

प्रश्न: 15

सही उत्तर: C

wincompete

व्याख्या: खातौली का युद्ध (1517) इब्राहिम लोदी और राणा सांगा के बीच लड़ा गया। गज-ए-सिकंदरी, सिकंदर लोदी द्वारा शुरू की गई 30 इंच की भूमि मापन इकाई थी। सिकंदर लोदी 'गुलरुखी' उपनाम से फारसी में कविताएं लिखता था। पानीपत का प्रथम युद्ध (1526) में बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराकर लोदी वंश का अंत किया।

प्रश्न: 16

सही उत्तर: D

व्याख्या: लोदी काल को 'मकबरों का युग' कहा जाता है क्योंकि इस दौरान सुल्तानों और अमीरों के भव्य मकबरे बने। 'दोहरा गुंबद' (Double Dome) इस काल की वास्तुकला की विशिष्ट पहचान है। कथन D असत्य है क्योंकि 'कुव्वत-उल-इस्लाम' मस्जिद का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक (गुलाम वंश) के समय हुआ था। लोदी काल में 'मोठ की मस्जिद' प्रमुख थी।

प्रश्न: 17

सही उत्तर: B

व्याख्या: सल्तनत काल में दीवान-ए-वजारत (वित्त विभाग) का प्रमुख वजीर होता था, जिसका मुख्य कार्य राजस्व और वित्तीय प्रशासन था। सैन्य विभाग दीवान-ए-आरिज था, जिसे बलबन ने पृथक किया। दीवान-ए-इंशा शाही पत्राचार का विभाग था। अतः केवल कथन 2 और 3 सत्य हैं।

प्रश्न: 18

सही उत्तर: C

व्याख्या: फिरोज शाह तुगलक के समय इक्ता प्रणाली में शिथिलता आई और पदों के वंशानुगत होने के साथ इक्ता भी वंशानुगत हो गई। कथन R असत्य है क्योंकि इल्तुतमिश द्वारा इक्ता प्रणाली का मूल उद्देश्य सामंती व्यवस्था को *तोड़ना* और केंद्रीय नियंत्रण को दूरस्थ क्षेत्रों तक *बढ़ाना* था, न कि सामंतवाद को मजबूत करना।

प्रश्न: 19

सही उत्तर: D

व्याख्या: खराज गैर-मुसलमानों से लिया जाने वाला भूमि कर था। खम्स युद्ध में लूटे गए माल का हिस्सा था। जकात केवल संपन्न मुसलमानों से लिया जाने वाला धार्मिक संपत्ति कर (2.5%) था। उश्र मुसलमानों से लिया जाने वाला भूमि कर (उपज का 1/10) था।

प्रश्न: 20

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन B असंगत है। सल्तनत काल में 'बलाहार' धनी व्यापारियों को नहीं, बल्कि समाज के सबसे निचले स्तर के साधारण या भूमिहीन किसानों को कहा जाता था। अन्य सभी कथन (शिक्कदार, मुकद्दम और पटवारी) प्रशासनिक ढांचे और स्थानीय शासन के अनुसार पूर्णतः सत्य हैं।

प्रश्न: 21

सही उत्तर: A

wincompete

व्याख्या: विजयनगर की किलेबंदी सात दीवारों की थी, जिसमें कृषि भूमि और जंगलों को घेरने का मुख्य उद्देश्य घेराबंदी के दौरान रसद की लंबी आपूर्ति सुनिश्चित करना था। कथन 2 गलत है क्योंकि दीवारों के निर्माण में गारे या चूने का प्रयोग नहीं हुआ था, बल्कि विशाल ग्रेनाइट पत्थरों को 'इंटर-लॉकिंग' तकनीक से जोड़ा गया था। 'महानवमी डिब्बा' का उपयोग केवल सैन्य परेड के लिए नहीं, बल्कि महानवमी उत्सव और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हेतु भी होता था, अतः कथन 3 भी अपूर्ण सत्य है।

प्रश्न: 22

सही उत्तर: B

व्याख्या: अभिकथन (A) सत्य है कि विजयनगर शैली में 'रायगोपुरम' (विशाल मंदिर प्रवेश द्वार) उनकी शक्ति के प्रतीक थे। कारण (R) भी सत्य है कि उनकी अर्थव्यवस्था में घोड़ों के व्यापार (पुर्तगाली और अरबी व्यापारियों के माध्यम से) की बड़ी भूमिका थी क्योंकि विजयनगर के पास अच्छी नस्ल के घोड़ों का अभाव था। हालांकि, दोनों तथ्य अपने आप में सत्य हैं, लेकिन घोड़ों का व्यापार 'रायगोपुरम' के निर्माण का प्रत्यक्ष कारण या उसकी व्याख्या नहीं है। रायगोपुरम का मुख्य उद्देश्य धार्मिक भव्यता और शासक की संप्रभुता का प्रदर्शन था।

प्रश्न: 23

सही उत्तर: B

व्याख्या: विकल्प B असंगत है क्योंकि विट्ठल स्वामी मंदिर के प्रसिद्ध 56 'संगीत स्तंभ' (Musical Pillars) लकड़ी से नहीं, बल्कि **ठोस ग्रेनाइट पत्थर** को तराश कर बनाए गए हैं। इन स्तंभों की इंजीनियरिंग इतनी सूक्ष्म है कि पत्थर को थपथपाने पर वह विभिन्न सप्त-स्वरों की ध्वनियाँ उत्पन्न करता है। अन्य सभी कथन सत्य हैं—इसका निर्माण कृष्णदेव राय ने शुरू किया, पत्थर का रथ गरुड़ का मंदिर है और यही रथ वर्तमान में भारतीय मुद्रा के 50 रुपये के नोट पर फीचर होता है।

प्रश्न: 24

सही उत्तर: A

व्याख्या: लोटस महल अपनी विशिष्ट कमल जैसी आकृति के कारण इंडो-इस्लामिक शैली के समन्वय का उत्कृष्ट प्रतीक है। हजार राम मंदिर शाही परिवार का निजी मंदिर था जिसकी दीवारों पर रामायण के प्रसंगों का सजीव अंकन मिलता है। गजशाला हाथियों के रहने के लिए बनाई गई गुंबददार इमारतों की पंक्ति थी जो इस्लामी वास्तुकला का प्रभाव दिखाती है। विरुपाक्ष मंदिर हम्पी का सबसे प्राचीन शिव मंदिर है जिसे विजयनगर के कुलदेवता के रूप में अत्यधिक श्रद्धा के साथ पूजा जाता था।

प्रश्न: 25

सही उत्तर: C

व्याख्या: कथन 2 असत्य है क्योंकि 'अष्टदिग्गज' कवियों ने फारसी साहित्य का अनुवाद नहीं किया, बल्कि वे तेलुगु साहित्य के महान मौलिक कवि थे जिन्होंने 'मनुचरितम' जैसे महाकाव्यों की रचना की। पेद्दन, नंदी तिम्मन और तेनालीराम इसके प्रमुख सदस्य थे। कथन 1 और 3 पूर्णतः सत्य हैं। कृष्णदेव राय एक बहुभाषी विद्वान थे; उन्होंने तेलुगु में प्रशासनिक सिद्धांतों पर 'अमुक्तमाल्यद' और संस्कृत में 'जाम्बवती कल्याणम' की रचना कर भारतीय साहित्यिक विरासत को समृद्ध किया था।

प्रश्न: 26

wincompete

सही उत्तर: C

व्याख्या: विजयनगर के शासकों ने हिंदू धर्म और संस्कृति के पुनर्जागरण पर विशेष बल दिया, जिसके कारण संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़ और तमिल साहित्य का अभूतपूर्व विकास हुआ। प्रसिद्ध विद्वान सायण ने इसी काल में वेदों पर अपनी कालजयी टीकाएँ लिखीं। कारण (R) असत्य है क्योंकि उन्होंने केवल फारसी को नहीं, बल्कि स्थानीय भाषाओं और संस्कृत को मुख्य राजकीय संरक्षण प्रदान किया था, हालांकि उनके काल की वास्तुकला पर कुछ इस्लामी मेहराबों और गुंबदों का प्रभाव जरूर देखा जा सकता है।

प्रश्न: 27

सही उत्तर: A

व्याख्या: कृष्णदेव राय के समय तेलुगु साहित्य दरबारी सीमाओं को लांघकर जनमानस की संवेदनाओं से गहराई से जुड़ा। उन्हें उनकी विद्वत्ता और कवियों के संरक्षण के कारण 'अभिनव भोज' और 'आंध्र भोज' कहा गया। निष्कर्ष 2 गलत है क्योंकि उनके शासनकाल के बाद भी विजयनगर में साहित्य का विकास जारी रहा, हालांकि वह पहले जैसा स्वर्ण काल नहीं रहा। उनके उत्तराधिकारी अच्युतदेव राय के काल में भी कई महत्वपूर्ण साहित्यिक ग्रंथों की रचना हुई थी।

प्रश्न: 28

सही उत्तर: D

व्याख्या: 'राजकालनिर्णय' नामक ऐतिहासिक ग्रंथ की रचना कृष्णदेव राय ने नहीं, बल्कि विजयनगर साम्राज्य की स्थापना से जुड़े आध्यात्मिक गुरु और महान विद्वान 'विद्यारण्य' से संबंधित परंपराओं में पाई जाती है। शेष तीनों युग्म सही सुमेलित हैं: अल्लासानी पेद्दन ने 'मनुचरितम', नंदी तिम्मन ने 'पारिजात अपहरणम' और तेनालीराम रामकृष्ण ने 'पांडुरंग महात्म्यम' की रचना की थी, जो विजयनगर के साहित्यिक वैभव के आधार स्तंभ माने जाते हैं।

प्रश्न: 29

सही उत्तर: D

व्याख्या: निकोलो कोंटी (1420) ने देवराय प्रथम के समय मनाए जाने वाले सती प्रथा और त्योहारों का विस्तृत वर्णन किया। डोमिंगो पायस ने कृष्णदेव राय के प्रभावशाली व्यक्तित्व और विजयनगर के बाजारों की चकाचौंध को प्राचीन रोम के समान भव्य बताया। नुनिज (एक पुर्तगाली घोड़ा व्यापारी) ने अच्युतदेव राय के काल में महिलाओं द्वारा निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं (जैसे सुरक्षाकर्मी, लिपिक, ज्योतिषी) का विवरण देकर विजयनगर की सामाजिक प्रगतिशीलता को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया।

प्रश्न: 30

सही उत्तर: B

व्याख्या: अभिकथन (A) सत्य है; यात्री नुनिज के अनुसार विजयनगर की महिलाएं ज्योतिषी, लेखिका, अंगरक्षक और कुश्ती जैसे कार्यों में सक्रिय थीं। कारण (R) भी सत्य है कि विजयनगर के बाजारों में रत्नों की प्रचुरता थी (अब्दुर रज्जाक और पायस ने भी इसका वर्णन किया है)। हालांकि, रत्नों का बाजारों में बिकना महिलाओं की प्रशासनिक या सैन्य भूमिका का सीधा कारण नहीं है। दोनों वाक्य विजयनगर के वैभव के अलग-अलग पहलुओं (सामाजिक और आर्थिक) का स्वतंत्र वर्णन करते हैं।

प्रश्न: 31

wincompete

सही उत्तर: B

व्याख्या: विदेशी यात्रियों का सही कालक्रम ऐतिहासिक शोध हेतु अनिवार्य है। निकोलो कोंटी (1420-21) देवराय प्रथम के समय आया। अब्दुर रज्जाक (1442-43) देवराय द्वितीय के समय आया। डोमिंगो पायस (1520-22) कृष्णदेव राय के शासनकाल के दौरान आया और फर्नाओ नुनिज (1535-37) अच्युतदेव राय के शासनकाल में आया। इन यात्रियों के वृत्तांत आज विजयनगर के सामाजिक और आर्थिक इतिहास के सबसे प्रामाणिक प्राथमिक स्रोत माने जाते हैं।

प्रश्न: 32

सही उत्तर: D

व्याख्या: विकल्प D असंगत है। विजयनगर के ब्राह्मण केवल धार्मिक कार्यों तक सीमित नहीं थे; उन्हें प्रशासन और सैन्य सेवा में महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व प्राप्त थे। उन्हें अक्सर दुर्गपाल (किले के रक्षक) और सेनापति के रूप में भी नियुक्त किया जाता था। नुनिज के अनुसार, वे अत्यंत चतुर और शासन संचालन में निपुण थे। अन्य तीनों कथन (शिल्पकार समुदाय 'वीर पांचाल', दास प्रथा 'बेसवग्गा' और देवदासी प्रथा) विजयनगर की सामाजिक वास्तविकता को सटीक रूप से दर्शाते हैं।

प्रश्न: 33

सही उत्तर: A

व्याख्या: महमूद गवाँ बहमनी साम्राज्य का सबसे कुशल वजीर और सैन्य रणनीतिकार था। उसने प्रशासन को केंद्रीकृत करने के लिए तरफों (प्रांतों) की संख्या चार से बढ़ाकर आठ की थी। बीदर में उसके द्वारा निर्मित मदरसा फारसी वास्तुकला का भारत में सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। कथन 3 पूर्णतः असत्य है क्योंकि महमूद गवाँ कभी सुल्तान नहीं बना; वह बहमनी साम्राज्य का एक निष्ठावान सेवक था। उसकी हत्या स्वयं सुल्तान ने एक दरबारी षड्यंत्र के प्रभाव में आकर करवाई थी।

प्रश्न: 34

सही उत्तर: A

व्याख्या: महमूद गवाँ एक 'अफाकी' (विदेशी अमीर) था, जिसकी सफलता और प्रभाव से स्थानीय दक्कनी अमीर ईर्ष्या करते थे। एक झूठे षड्यंत्र के तहत सुल्तान द्वारा उसकी हत्या करवा दी गई। उसकी मृत्यु के बाद बहमनी साम्राज्य का केंद्रीय प्रशासनिक नियंत्रण पूरी तरह बिखर गया और अफाकी-दक्कनी संघर्ष ने साम्राज्य को अंततः पांच स्वतंत्र टुकड़ों (बीजापुर, गोलकुंडा, अहमदनगर, बरार और बीदर) में विभाजित कर दिया। अतः कारण, कथन की सटीक व्याख्या करता है।

प्रश्न: 35

सही उत्तर: A

व्याख्या: बहमनी वास्तुकला में फारसी प्रभाव अत्यंत प्रबल है क्योंकि उनके कई प्रमुख वास्तुकार और विद्वान ईरान से आए थे। बीदर के प्रसिद्ध मदरसे की संरचना और उसकी टाइल्स का काम इसी शैली का परिचायक है। निष्कर्ष 2 गलत है क्योंकि बहमनी शासकों ने स्थानीय मंदिरों को सुरक्षित नहीं रखा था और न ही उनकी दीवारों पर वेदों के मंत्र लिखवाए थे; उनकी वास्तुकला की अपनी स्वतंत्र और मौलिक इस्लामी विशेषताएं थीं, जो दक्षिण भारत में इंडो-सार्सेनिक शैली का आधार बनीं।

प्रश्न: 36

wincompete

सही उत्तर: C

व्याख्या: बहमनी प्रशासन में 'वजीर-ए-अशराफ' सैन्य विभाग का नहीं, बल्कि 'विदेशी मामलों और दरबारी शिष्टाचार' का प्रमुख अधिकारी होता था। सैन्य विभाग का प्रमुख 'अमीर-उल-उमरा' कहलाता था। वजीर-ए-कुल प्रधानमंत्री के समान था और अमीर-ए-जुमला वित्त मंत्री के कार्यों को देखता था। तरफदार प्रांतीय गवर्नर को कहा जाता था। यह प्रशासनिक ढांचा काफी हद तक दिल्ली सल्तनत के पदानुक्रम से प्रेरित था।

प्रश्न: 37

सही उत्तर: D

व्याख्या: विजयनगर की अर्थव्यवस्था कृषि और व्यापार के कुशल समन्वय पर आधारित थी। घोड़ों का व्यापार सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था जिस पर पुर्तगालियों और अरबों का प्रभाव था। सिंचाई हेतु हिरिया नहर और कमलापुर टैंक जैसी इंजीनियरिंग उपलब्धियां उनकी कृषि समृद्धि का मुख्य आधार थीं। 'हुंडी' प्रणाली ने लंबी दूरी के व्यापार को सुरक्षित और सरल बनाया था, जिससे अंतरराष्ट्रीय साख बाजार में विजयनगर के व्यापारियों का प्रभुत्व बना रहा।

प्रश्न: 38

सही उत्तर: B

व्याख्या: विजयनगर की आर्थिक मजबूती उसके अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संबंधों और कृषि अधिशेष उत्पादन पर टिकी थी। उनके सोने के सिक्कों को 'वराह' कहा जाता था (जिस पर भगवान विष्णु के वराह अवतार का अंकन था)। पुर्तगाली यात्रियों ने इन्हीं सिक्कों को 'पैगोडा' के नाम से संबोधित किया। हालांकि दोनों कथन सत्य हैं, लेकिन केवल सिक्कों का नाम होना समृद्धि का एकमात्र 'कारण' नहीं है, बल्कि वह समृद्धि का एक महत्वपूर्ण 'प्रमाण' है।

प्रश्न: 39

सही उत्तर: A

व्याख्या: निष्कर्ष 1 सही है क्योंकि 'अयंगार' व्यवस्था में 12 अधिकारी गाँव का प्रबंधन वंशानुगत रूप से करते थे और उन्हें वेतन के स्थान पर 'मान्यम' (कर-मुक्त भूमि) दी जाती थी। निष्कर्ष 2 गलत है क्योंकि अयंगार व्यवस्था ने गाँव को एक **स्वायत्त और आत्मनिर्भर इकाई** बनाया था, जिससे केंद्र का सीधा वित्तीय हस्तक्षेप कम हो गया था, न कि बढ़ा था। गाँवों के पास अपने आंतरिक प्रशासनिक और न्यायिक मामलों में निर्णय लेने की पर्याप्त स्वतंत्रता थी।

प्रश्न: 40

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन B असंगत है क्योंकि विजयनगर में 'पेरुमाल' शब्द का प्रयोग किसी व्यापारी समुदाय के लिए नहीं किया गया है। व्यापारिक समुदायों को सामान्यतः 'चेट्टी' या 'शेट्टी' कहा जाता था। विजयनगर में भू-राजस्व को 'शिस्त' कहा जाता था (जो सामान्यतः कुल उपज का 1/6 भाग था)। 'अमरम' सैन्य सेवा के बदले नायकों को दी गई जागीर भूमि थी और 'पगोडा' या 'वराह' उनके स्वर्ण सिक्कों को कहा जाता था।

प्रश्न संख्या 41: शेरशाह सूरी के स्थानीय प्रशासन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प असंगत है?

सही उत्तर: C

व्याख्या: शेरशाह के प्रशासन में 'फौतदार' खजांची (Treasurer) होता था जो परगना स्तर पर कार्य करता था। ग्राम स्तर पर भू-राजस्व का लेखा-जोखा रखने वाला अधिकारी 'पटवारी' और शांति व्यवस्था का प्रमुख 'मुकद्दम' होता था। विकल्प B सही है क्योंकि 'मुंसिफ-ए-मुंसिफान' न्याय और राजस्व का प्रमुख था। शेरशाह ने इकाइयों में उत्तरदायित्व निर्धारित किया था ताकि भ्रष्टाचार कम हो।

wincompete

प्रश्न संख्या 42: सूची-I (मुगल-अफगान युद्ध) को सूची-II (विशेषता/परिणाम) से सुमेलित कीजिये:

सही उत्तर: C

व्याख्या: घाघरा का युद्ध (1529) जल और थल दोनों पर लड़ा गया प्रथम युद्ध था। चौसा (1539) में हुमायूँ की जान निजाम नामक भिश्ती ने बचाई थी। बिलग्राम (1540) के बाद हुमायूँ को भारत छोड़ना पड़ा और शेरशाह ने द्वितीय अफगान साम्राज्य बनाया। सरहिंद (1555) में हुमायूँ ने अफगानों को हराकर मुगलों की सत्ता पुनः स्थापित की।

प्रश्न संख्या 43: शेरशाह सूरी के राजस्व सुधारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

सही उत्तर: B

व्याख्या: शेरशाह ने 'गज-ए-सिकंदरी' का प्रयोग किया और फसलों की दर सूची 'रई' तैयार करवाई। पट्टा और कबूलियत उसकी महत्वपूर्ण देन थी। कथन 3 गलत है क्योंकि उसने लगान की दर सामान्यतः 1/3 तय की थी, न कि 50% (50% अलाउद्दीन खिलजी ने की थी)। वह किसानों के हितों का रक्षक था और बिचौलियों के प्रभाव को कम करना चाहता था।

प्रश्न संख्या 44: अभिकथन (A): हुमायूँ का भारत से निर्वासन उसकी व्यक्तिगत सैन्य अक्षमता से अधिक शेरशाह सूरी के प्रशासनिक और कूटनीतिक कौशल का परिणाम था। कारण (R): शेरशाह ने हुमायूँ को चुनार के घेरे (1532) के समय ही निर्णायक रूप से पराजित कर दिल्ली पर अधिकार कर लिया था।

सही उत्तर: C

व्याख्या: अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) पूर्णतः असत्य है। 1532 के चुनार के घेरे में शेरशाह ने कूटनीतिक रूप से संधि की थी और मुगलों का समय नष्ट किया था, वहाँ उसे हार नहीं मिली थी। उसने हुमायूँ को 1539 (चौसा) और 1540 (बिलग्राम) में निर्णायक रूप से हराया था। शेरशाह ने अपनी शक्ति को धीरे-धीरे संचित किया था।

प्रश्न संख्या 45: सूची-I (मुगल-राजपूत संबंध) को सूची-II (शासक/घटना) से सुमेलित कीजिये:

सही उत्तर: D

व्याख्या: आमेर के भारमल ने 1562 में प्रथम वैवाहिक संबंध बनाया। राय सिंह (बीकानेर) को मुंशी देवी प्रसाद ने 'राजपूताने का कर्ण' कहा। मानसिंह को अकबर ने 'फरजंद' (पुत्र) कहा। दुर्गादास राठौड़ ने औरंगजेब के विरुद्ध 30 वर्षीय संघर्ष का नेतृत्व कर अजीत सिंह की रक्षा की।

प्रश्न संख्या 46: अकबर की राजपूत नीति और धार्मिक सुधारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

सही उत्तर: A

व्याख्या: अकबर ने 1563 में तीर्थ यात्रा कर और 1564 में जजिया हटाया। 1579 में 'मजहर' जारी किया। कथन 3 गलत है क्योंकि अकबर ने महाराणा प्रताप को समझाने हेतु जलाल खान को प्रथम दूत के रूप में भेजा था, मानसिंह दूसरे दूत थे। दूतों का सही क्रम है— जलाल खान, मानसिंह, भगवान दास, टोडरमल।

wincompete

प्रश्न संख्या 47: अभिकथन (A): हल्दीघाटी का युद्ध (18 जून, 1576) एक धार्मिक युद्ध था जिसमें अकबर स्वयं सेना का नेतृत्व कर रहा था। कारण (R): महाराणा प्रताप ने मुगलों की 'सुलह-ए-कुल' की नीति को ठुकरा कर स्वतंत्रता और स्वाभिमान का मार्ग चुना था।

सही उत्तर: C

व्याख्या: अभिकथन (A) गलत है क्योंकि हल्दीघाटी का युद्ध धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक संप्रभुता का युद्ध था और मुगल सेना का नेतृत्व कुंवर मानसिंह कर रहे थे, अकबर नहीं। कारण (R) सत्य है क्योंकि प्रताप ने अकबर की अधीनता स्वीकार करने के स्थान पर संघर्ष को चुना। बदायूँनी ने इसे गोगुन्दा का युद्ध कहा है।

प्रश्न संख्या 48: मुगल-मेवाड़ संबंधों के ऐतिहासिक विकास के संदर्भ में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

सही उत्तर: A

व्याख्या: 1615 की संधि के अनुसार चित्तौड़ दुर्ग की मरम्मत वर्जित थी ताकि मेवाड़ सैन्य रूप से सुदृढ़ न हो सके (निष्कर्ष 1)। औरंगजेब के काल में राजसिंह ने जजिया का विरोध किया और औरंगजेब को कड़ा पत्र लिखा (निष्कर्ष 2)। उन्होंने श्रीनाथजी की मूर्ति को मेवाड़ में शरण दी थी।

प्रश्न संख्या 49: मुगलों की दक्कन नीति के कालक्रम के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प असंगत है?

सही उत्तर: B

व्याख्या: विकल्प B असंगत है क्योंकि 1636 की बीजापुर और गोलकुंडा के साथ ऐतिहासिक संधियां जहाँगीर ने नहीं, बल्कि शाहजहाँ के काल में हुई थीं। जहाँगीर का काल मुख्य रूप से मलिक अम्बर के साथ संघर्ष में बीता। अकबर ने असीरगढ़ (1601) जीता था। औरंगजेब ने बीजापुर (1686) और गोलकुंडा (1687) का विलय किया।

प्रश्न संख्या 50: मलिक अम्बर और दक्कन संघर्ष के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

सही उत्तर: C

व्याख्या: मलिक अम्बर ने 'बरगीगिरी' और राजस्व सुधारों से मुगलों को चुनौती दी। कथन 3 गलत है क्योंकि जहाँगीर मलिक अम्बर को कभी पूर्णतः पराजित नहीं कर सका; वह मुगलों के लिए जीवन भर नासूर बना रहा। शाहजहाँ ने खुर्रम के रूप में उसे संधियों के लिए विवश जरूर किया था लेकिन पूर्ण सफलता 1633 में मिली।

प्रश्न संख्या 51: अभिकथन (A): औरंगजेब की दक्कन नीति को इतिहासकार वी.ए. स्मिथ ने 'दक्कन का नासूर' (Deccan Ulcer) कहा है। कारण (R): दक्कन के राज्यों के पूर्ण विलय ने मराठा शक्ति के उदय हेतु वैक्यूम पैदा किया और मुगलों की वित्तीय रीढ़ तोड़ दी।

सही उत्तर: A

व्याख्या: बीजापुर और गोलकुंडा के पतन ने मुगलों और मराठों के बीच की बाधा समाप्त कर दी, जिससे औरंगजेब को सीधे मराठों से लंबा युद्ध लड़ना पड़ा। इस युद्ध ने साम्राज्य का खजाना खाली कर दिया और औरंगजेब को दक्कन से बाहर नहीं निकलने दिया। अतः कारण, कथन की सही व्याख्या है।

wincompete

प्रश्न संख्या 52: शाहजहाँ की दक्कन नीति और 1636 की संधियों के संदर्भ में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

सही उत्तर: B

व्याख्या: 1636 की संधियों ने दक्कन में स्थिरता लाई और संप्रभुता मुगलों को दी (निष्कर्ष 1)। इन संधियों के बाद औरंगजेब को दक्कन का सूबेदार बनाया गया, जिसने दक्षिण में प्रशासनिक अनुभव प्राप्त किया (निष्कर्ष 2)। शाहजहाँ की नीति अकबर की तुलना में अधिक स्पष्ट और सफल रही थी।

प्रश्न संख्या 53: सूची-I (अष्टप्रधान पद) को सूची-II (कार्य/विभाग) से सुमेलित कीजिये:

सही उत्तर: C

व्याख्या: पेशवा प्रधानमंत्री था। अमात्य (मजूमदार) वित्त एवं राजस्व देखता था। सुमंत (दबीर) विदेश मंत्री था। वाकयानवीस दरबार के दैनिक कार्यों का रिकॉर्ड रखता था। यह परिषद शिवाजी के प्रशासन की रीढ़ थी।

प्रश्न संख्या 54: शिवाजी महाराज और मुगल संघर्ष के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

सही उत्तर: B

व्याख्या: 22 जून, 1665 को पुरंदर की संधि हुई और 23 किले मुगलों को दिए गए। कथन 3 गलत है क्योंकि संभाजी को 5000 का मनसब दिया गया था, 7000 का नहीं। यह संधि मिर्जा राजा जयसिंह की कूटनीतिक विजय थी।

प्रश्न संख्या 55: अभिकथन (A): छत्रपति शिवाजी महाराज ने 1674 ई. में रायगढ़ के दुर्ग में अपना राज्याभिषेक करवाकर 'हेंदव धर्मोद्धारक' की उपाधि धारण की। कारण (R): उन्होंने मुगलों की 'मनसबदारी' व्यवस्था को अपनी प्रशासनिक व्यवस्था का मुख्य आधार बनाया था।

सही उत्तर: B

व्याख्या: अभिकथन (A) सत्य है। कारण (R) असत्य है क्योंकि शिवाजी ने मुगलों की मनसबदारी को नहीं अपनाया, बल्कि उन्होंने 'अष्टप्रधान' और भू-राजस्व में अपनी मौलिक पद्धति (काठी पद्धति) लागू की थी। उन्होंने मुगलों के स्थान पर हिंदू प्रशासनिक आदर्शों को महत्व दिया।

प्रश्न संख्या 56: शिवाजी की राजस्व प्रणाली 'चौथ' और 'सरदेशमुखी' के संदर्भ में निम्नलिखित निष्कर्षों पर विचार कीजिये:

सही उत्तर: A

व्याख्या: चौथ पड़ोसी राज्यों से सुरक्षा के बदले लिया जाने वाला 25% कर था (निष्कर्ष 1)। निष्कर्ष 2 गलत है क्योंकि 'सरदेशमुखी' उन क्षेत्रों से भी लिया जाता था जहाँ शिवाजी अपना पैतृक दावा (सरदेशमुख के नाते) मानते थे, यह केवल 'स्वराज्य' तक सीमित नहीं था।

प्रश्न संख्या 57: मुगल प्रशासनिक शब्दावली और जागीरदारी के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प असंगत है?

सही उत्तर: D

व्याख्या: 'तन जागीर' वेतन के बदले दी जाने वाली सामान्य हस्तांतरणीय जागीर थी, न कि वीरता के बदले दी जाने वाली स्थाई जागीर। वीरता के बदले दी गई जागीरें अक्सर 'इनाम' या विशेष श्रेणी में आती थीं। वतन जागीर पैतृक होती थी और हस्तांतरित नहीं की जाती थी।

प्रश्न संख्या 58: सूची-I (प्रशासनिक शब्दावली) को सूची-II (अर्थ) से सुमेलित कीजिये:

सही उत्तर: B

व्याख्या: 'जमा' अनुमानित राजस्व है। 'हासिल' वास्तविक प्राप्ति है। 'पायबाकी' आवंटन हेतु सुरक्षित भूमि है। 'खालसा' सीधे केंद्र के नियंत्रण की भूमि है। औरंगजेब के समय हासिल, जमा से बहुत कम हो गया था।

प्रश्न संख्या 59: मनसबदारी प्रणाली की तकनीकी श्रेणियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

सही उत्तर: A

व्याख्या: 'जात' प्रतिष्ठा और 'सवार' सैन्य संख्या है। कथन 3 गलत है क्योंकि 'दु-अस्पा सिह-अस्पा' प्रणाली जहाँगीर ने शुरू की थी, शाहजहाँ ने नहीं। इसका उद्देश्य बिना जात पद बढ़ाए सैन्य शक्ति में वृद्धि करना था।

प्रश्न संख्या 60: अभिकथन (A): औरंगजेब के काल में 'जागीरदारी संकट' उत्पन्न हुआ जिससे 'बे-जागीरी' की स्थिति पैदा हो गई। कारण (R): औरंगजेब ने जागीरदारों को स्थाई रूप से एक ही स्थान पर बसने की अनुमति देकर केंद्रीय नियंत्रण समाप्त कर दिया था।

सही उत्तर: B

व्याख्या: अभिकथन (A) सत्य है; दक्कनी अमीरों के प्रवेश से जागीरों की कमी हुई। कारण (R) गलत है क्योंकि मुगलों ने जागीर हस्तांतरण की नीति जारी रखी थी; नियंत्रण समाप्त नहीं हुआ था, बल्कि संसाधनों (भूमि) की कमी और युद्धों के कारण व्यवस्था चरमरा गई थी।

प्रश्न 61: इंडो-इस्लामिक वास्तुकला की तकनीकी विशेषताओं के संदर्भ में...

सही उत्तर: C

व्याख्या: कथन 1 और 3 सत्य हैं। कुंज पत्थर मेहराब के भार को दीवारों पर डालता था जिससे खंभों की जरूरत खत्म हुई। कोणीय मेहराब वर्गाकार कमरों पर गोल गुंबद टिकने में मदद करती थी। कथन 2 गलत है क्योंकि भारत में 'वास्तविक मेहराब' का पहला सफल उदाहरण **बलबन का मकबरा** माना जाता है, न कि हुमायूँ का मकबरा। हुमायूँ का मकबरा 'दोहरे गुंबद' और 'चारबाग' के लिए प्रसिद्ध है।

प्रश्न 62: अभिकथन (A): शाहजहाँ द्वारा निर्मित ताजमहल...

सही उत्तर: C

व्याख्या: अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है। भारत में पिएत्रा-ड्यूरा तकनीक का सर्वप्रथम और व्यवस्थित प्रयोग **इत्माद-उद-दौला के मकबरे** (नूरजहाँ द्वारा निर्मित) में किया गया था, न कि ताजमहल में। ताजमहल में यह तकनीक अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँची थी।

प्रश्न 63: कथन: लोदी काल और प्रारंभिक मुगल काल में 'दोहरा गुंबद'...

सही उत्तर: A

व्याख्या: दोहरे गुंबद का मुख्य उद्देश्य इमारत के बाहरी स्वरूप को भव्य और आनुपातिक रूप से ऊँचा दिखाना था (निष्कर्ष 1)। भीतरी गुंबद छत को कम ऊँचाई पर रखता था ताकि अनुपात बना रहे। निष्कर्ष 2 गलत है क्योंकि इसका उद्देश्य तापमान नियंत्रण नहीं, बल्कि स्थापत्य सौंदर्य और संरचनात्मक मजबूती था।

wincompete

प्रश्न 64: सूची-I (वास्तुकला शब्दावली) को सूची-II (विशेषता) से सुमेलित कीजिये:

सही उत्तर: D

व्याख्या: अरबस्क ज्यामितीय बेल-बूटों की नक्काशी है। चारबाग उद्यानों का ज्यामितीय विभाजन है। जाली कार्य पत्थर को काटकर बनाई गई महीन जालियाँ हैं (जैसे अहमदाबाद की सीदी सैयद मस्जिद)। छतरी गुंबद के साथ छोटी स्तंभयुक्त संरचना है जो भारतीय प्रभाव दर्शाती है।

प्रश्न 65: अकबरकालीन चित्रकला और 'तस्वीर खाना' के संदर्भ में...

सही उत्तर: D

व्याख्या: अकबर ने चित्रकला को संस्थागत बनाया और 'तस्वीर खाना' खोला। हम्जनामा सूती कपड़े पर चित्रित 1200 चित्रों का संग्रह है। दसवंत और बसावन उसके काल के प्रमुख चित्रकार थे। दसवंत ने महाभारत के फारसी अनुवाद 'रज्मनामा' में मुख्य भूमिका निभाई थी।

प्रश्न 66: अभिकथन (A): जहाँगीर के शासनकाल को मुगल चित्रकला का 'स्वर्ण युग'...

सही उत्तर: A

व्याख्या: जहाँगीर स्वयं एक महान पारखी था। उसने चित्रकला को केवल पुस्तकों के चित्रण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि स्वतंत्र पोर्ट्रेट और प्रकृति (पशु-पक्षी) के सूक्ष्म चित्रण को बढ़ावा दिया। यूरोपीय प्रभाव और प्रभामंडल (Halo) का प्रयोग भी इसी काल में बढ़ा।

प्रश्न 67: मुगल कालीन चित्रकारों और उनकी विशेषज्ञता के संदर्भ में...

सही उत्तर: A

व्याख्या: विकल्प A असंगत है। बिहजाद को 'पूर्व का राफेल' कहा जाता है, जो तैमूरी/फारसी शैली का महान चित्रकार था और जिसका प्रभाव बाबर और हुमायूँ के समय था। औरंगजेब के काल में चित्रकला का पतन हुआ और कोई महान दरबारी चित्रकार नहीं रहा क्योंकि उसने संरक्षण बंद कर दिया था।

प्रश्न 68: कथन: औरंगजेब ने धार्मिक आधार पर चित्रकला को दिया जाने वाला...

सही उत्तर: B

व्याख्या: औरंगजेब की नीति से चित्रकला का विनाश नहीं हुआ (निष्कर्ष 1 गलत), बल्कि कलाकारों के पलायन से क्षेत्रीय शैलियाँ जैसे राजस्थानी, पहाड़ी और दक्कनी शैलियाँ समृद्ध हुईं (निष्कर्ष 2 सही)।

प्रश्न 69: अमीर खुसरो और मध्यकालीन संगीत के संदर्भ में...

सही उत्तर: A

व्याख्या: खुसरो ने सितार और तबला का आविष्कार किया और कव्वाली-तराना जैसी विधाएँ दीं। कथन 3 गलत है क्योंकि 'पूर्व का राफेल' चित्रकार बिहजाद को कहा जाता है, अमीर खुसरो को नहीं। खुसरो को 'तूतिए हिन्द' कहा जाता है।

प्रश्न 70: अभिकथन (A): अकबर ने ग्वालियर के संगीतज्ञ तानसेन को...

सही उत्तर: A

व्याख्या: तानसेन अकबर के नवरत्नों में थे। उन्होंने प्राचीन ध्रुपद शैली को दरबारी गरिमा के अनुसार परिष्कृत किया और 'राग दरबारी कान्हड़ा' जैसे नए राग रचे। इसी प्रतिभा के कारण अकबर ने उन्हें यह भारी-भरकम उपाधि दी थी।

प्रश्न 71: सूची-I (संगीत विधा) को सूची-II (संरक्षक) से सुमेलित कीजिये:

सही उत्तर: A

व्याख्या: ग्वालियर घराने ने ध्रुपद को संभाला। हुसैन शाह शर्की ने खयाल को लोकप्रियता दी। मानसिंह तोमर ने 'मानकौतूहल' लिखवाया और शाहजहाँ ने लाल खान को 'गुण समन्दर' की उपाधि दी।

प्रश्न 72: औरंगजेब और संगीत के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असंगत है?

सही उत्तर: B

व्याख्या: विकल्प B असंगत है क्योंकि औरंगजेब संगीत का कट्टर विरोधी नहीं था; वह स्वयं एक कुशल 'वीणा वादक' था। उसने केवल दरबारी और सार्वजनिक प्रदर्शन पर रोक लगाई थी। उसके काल में संगीत पर सर्वाधिक फारसी ग्रंथ लिखे गए।

प्रश्न 73: राजस्थानी चित्रकला शैलियों की विशिष्टताओं के संदर्भ में...

सही उत्तर: D

व्याख्या: तीनों कथन सत्य हैं। किशनगढ़ की बणी-ठणी, बूंदी के सघन वन और पशु-पक्षी, तथा मेवाड़ की प्राचीनता राजस्थानी कला के गौरव स्तंभ हैं।

प्रश्न 74: अभिकथन (A): बीजापुर के 'गोल गुंबज' (Gol Gumbaz) को...

सही उत्तर: A

व्याख्या: गोल गुंबज का गुंबद विश्व के सबसे बड़े गुंबदों में से एक है। इसकी 'Whispering Gallery' ध्वनिकी (Acoustics) का उत्कृष्ट नमूना है जहाँ एक कोने की फुसफुसाहट दूसरे कोने में सुनाई देती है।

प्रश्न 75: कथन: मुगल चित्रकला और राजस्थानी चित्रकला के बीच गहरा...

सही उत्तर: C

व्याख्या: दोनों शैलियों ने एक-दूसरे को प्रभावित किया। राजपूतों ने तकनीक (छाया-प्रकाश) सीखी और मुगलों ने विषय-वस्तु (प्रकृति और भक्ति) ग्रहण की।

प्रश्न 76: क्षेत्रीय कला शब्दावली के संदर्भ में...

सही उत्तर: C

व्याख्या: विकल्प C असंगत है। 'बरगीगिरी' चित्रकला का रंग नहीं, बल्कि मलिक अम्बर द्वारा विकसित 'छापामार युद्ध पद्धति' को कहा जाता था। पिछवाई, मथेरणा और किताब-ए-नवरस सही सुमेलित हैं।

wincompete

प्रश्न 77: मुगल उद्यान स्थापत्य (चारबाग शैली) के संदर्भ में...

सही उत्तर: A

व्याख्या: बाबर ने आराम बाग बनवाया और हुमायूँ का मकबरा पहला गार्डन-टॉम्ब था। कथन 3 गलत है क्योंकि कश्मीर के शालीमार और निशांत बाग जहाँगीर और नूरजहाँ ने बनवाए थे, शाहजहाँ ने नहीं।

प्रश्न 78: अभिकथन (A): मुगल काल में 'सराय' (Sarai) प्रशासन और अर्थव्यवस्था...

सही उत्तर: C

व्याख्या: सराय व्यापारियों और दूतों के लिए रुकने की जगह थी (अभिकथन सही)। कारण (R) गलत है क्योंकि सरायों का मुख्य उद्देश्य ही यात्रियों और व्यापारियों को ठहरने और भोजन की सुविधा देना था, उन पर पाबंदी नहीं थी।

प्रश्न 79: कथन: शाहजहाँ ने दिल्ली के लाल किले में जल आपूर्ति हेतु...

सही उत्तर: C

व्याख्या: नहर-ए-बहश्त यमुना से पानी लाती थी और संगमरमर की नालियों में बहती थी। इसका उद्देश्य न केवल स्नानघरों (हम्माम) को पानी देना था, बल्कि किले के उद्यानों को सींचना और महल को ठंडा रखना भी था।

प्रश्न 80: सूची-I (सार्वजनिक निर्माण पद) को सूची-II (विवरण) से सुमेलित कीजिये:

सही उत्तर: A

व्याख्या: कोस मीनार दूरी मापन की मीनार है। बारादरी उद्यान में 12 द्वारों वाली विश्राम इमारत है। आब-ए-रवां बहता पानी है और रहट जल निकासी की गियर तकनीक है।

प्रश्न: 81

सही उत्तर: A

व्याख्या: दक्षिण भारत में नयनार (63) और अल्वार (12) संतों ने भक्ति को लोकप्रिय बनाया। कथन 3 गलत है क्योंकि 'नलयिरा दिव्य प्रबंधम' नयनार नहीं, बल्कि **अल्वार संतों** के भजनों का संकलन है। नयनार संतों का संकलन 'तेवरम' और 'तिरुवाचकम' कहलाता है। अंडाल एकमात्र महिला अल्वार संत थीं जिन्हें दक्षिण की मीरा कहा जाता है।

प्रश्न: 82

सही उत्तर: C

व्याख्या: अभिकथन (A) सत्य है कि शंकराचार्य ने चार पीठों की स्थापना की। परन्तु कारण (R) पूर्णतः असत्य है क्योंकि शंकराचार्य का 'अद्वैतवाद' **निर्गुण ज्ञान मार्ग** पर आधारित था, जिसमें "ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या" का संदेश था। सगुण भक्ति और विशिष्टाद्वैतवाद का समर्थन बाद में रामानुजाचार्य ने किया था।

wincompete

प्रश्न: 83

सही उत्तर: A

व्याख्या: कबीर ने हिंदू-मुस्लिम दोनों के बाह्य आडंबरों का विरोध कर एक सहज मार्ग दिखाया (निष्कर्ष 1)। निष्कर्ष 2 गलत है क्योंकि कबीर के संदेशों ने वैचारिक चेतना तो पैदा की, लेकिन वे मध्यकाल की गहरी जमी हुई जाति व्यवस्था को **पूरी तरह समाप्त** नहीं कर सके। समाज में सामाजिक भेदभाव बना रहा।

प्रश्न: 84

सही उत्तर: B

व्याख्या: रामानुजाचार्य-विशिष्टाद्वैतवाद, माधवाचार्य-द्वैतवाद, निम्बार्काचार्य-द्वैताद्वैतवाद (भेदाभेद), और वल्लभाचार्य-शुद्धाद्वैतवाद। निम्बार्काचार्य का राजस्थान के सलेमाबाद से गहरा संबंध है।

प्रश्न: 85

सही उत्तर: D

व्याख्या: विकल्प D असंगत है क्योंकि गोस्वामी तुलसीदास अकबर के नवरत्नों में शामिल **नहीं** थे। यद्यपि वे अकबर के समकालीन थे, लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश समय अयोध्या और बनारस में राम की भक्ति में बिताया। अबुल फजल ने 'आइने-अकबरी' में तुलसीदास का उल्लेख नहीं किया है।

प्रश्न: 86

सही उत्तर: B

व्याख्या: कथन 1 गलत है क्योंकि 'रामचरितमानस' की रचना तुलसीदास ने संस्कृत में नहीं, बल्कि जनभाषा **अवधी** में की थी ताकि साधारण जनता इसे समझ सके। कथन 2 और 3 सत्य हैं; विट्ठलनाथ ने अष्टछाप बनाया और वल्लभ संप्रदाय का केंद्र नाथद्वारा है।

प्रश्न: 87

सही उत्तर: C

व्याख्या: अभिकथन (A) सत्य है कि वारकरी संतों (ज्ञानेश्वर, नामदेव, तुकाराम) ने समानता पर बल दिया। परन्तु कारण (R) असत्य है क्योंकि तुकाराम **शिवाजी** के समकालीन थे और समर्थ रामदास शिवाजी के गुरु थे, औरंगजेब के नहीं।

प्रश्न: 88

सही उत्तर: A

wincompete

व्याख्या: सूफीवाद ने इस्लाम को भारतीय रंग में रंगकर उसे लोकप्रिय बनाया (निष्कर्ष 1)। निष्कर्ष 2 गलत है क्योंकि 'अधिकांश' सूफी संत राजनीति से दूर नहीं थे; **सुहरावर्दी सिलसिले** के संतों ने तो राजकीय पद और धन भी स्वीकार किया था। केवल चिश्ती सिलसिले ने राजनीति से दूरी बनाए रखी थी।

प्रश्न: 89

सही उत्तर: C

व्याख्या: खानकाह सूफी निवास था। मलफूजात उनके कथनों/उपदेशों का संकलन था। वल्लीयत उत्तराधिकार प्रक्रिया थी और जियारत दरगाहों की यात्रा।

प्रश्न: 90

सही उत्तर: B

व्याख्या: विकल्प B असंगत है क्योंकि सुहरावर्दी सिलसिले के संत गरीबी में विश्वास **नहीं** रखते थे। चिश्तियों के विपरीत, वे धन संचय करते थे और शासकों के निकट रहकर राजकीय पद स्वीकार करते थे। उनका केंद्र मुल्तान था।

प्रश्न: 91

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन 1 और 2 सत्य हैं। कथन 3 गलत है क्योंकि निजामुद्दीन औलिया चिश्ती सिलसिले के थे और उन्होंने **वहदत-उल-वजूद** (अद्वैत) का समर्थन किया था, न कि वहदत-उल-शुहूद का। 'शुहूद' का समर्थन नक्शबंदियों ने किया था।

प्रश्न: 92

सही उत्तर: A

व्याख्या: अमीर खुसरो निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे। उन्होंने भारतीय और फारसी शैलियों का समन्वय कर कव्वाली और नए रागों को जन्म दिया, जो सांस्कृतिक संश्लेषण का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है।

प्रश्न: 93

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन 1 और 3 सत्य हैं। कथन 2 गलत है क्योंकि 'बलाहार' धनी व्यापारियों को नहीं, बल्कि **साधारण या निम्न स्तर के किसान** को कहा जाता था। धनी व्यापारियों को सेठ या बोहरा कहा जाता था।

प्रश्न: 94

सही उत्तर: C

व्याख्या: अभिकथन (A) सत्य है कि अकबर ने राजपूतों, ईरानियों और भारतीय मुसलमानों को अभिजात वर्ग में शामिल किया। परन्तु कारण (R) असत्य है क्योंकि अकबर तुर्कों और अफगानों के वर्चस्व को **कम** करना चाहता था ताकि साम्राज्य का आधार व्यापक हो सके।

wincompete

प्रश्न: 95

सही उत्तर: C

व्याख्या: रजिया और नूरजहाँ ने सत्ता संचालन कर पितृसत्ता को चुनौती दी (निष्कर्ष 1)। निष्कर्ष 2 भी सत्य है क्योंकि मध्यकाल में बाहरी आक्रमणों और सामाजिक असुरक्षा के कारण पर्दा प्रथा और बाल विवाह जैसी कुरीतियाँ समाज में गहरी हो गईं।

प्रश्न: 96

सही उत्तर: D

व्याख्या: विकल्प D असंगत है क्योंकि 'चौगान' कोई लोक नृत्य नहीं, बल्कि **पोलो (Polo)** जैसा एक खेल था, जिसे सुल्तान और अमीर घोड़े पर चढ़कर खेलते थे। कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु इसी खेल के दौरान हुई थी।

प्रश्न: 97

सही उत्तर: C

व्याख्या: विकल्प C असंगत है क्योंकि 'कंकूत' प्रणाली में राजस्व का निर्धारण कटी हुई फसल के वजन के आधार पर नहीं, बल्कि **खड़ी फसल के अनुमान** (Estimate) के आधार पर किया जाता था। फसल के वजन के आधार पर होने वाले निर्धारण को 'बटाई' कहा जाता था।

प्रश्न: 98

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन 1 और 2 सत्य हैं। कथन 3 गलत है क्योंकि मध्यकाल (विशेषकर 17वीं सदी) में समुद्री व्यापार के जोखिमों को कम करने के लिए **बीमा प्रणाली** का उदय हो चुका था, जिसका उल्लेख समकालीन स्रोतों में मिलता है।

प्रश्न: 99

सही उत्तर: C

व्याख्या: अभिकथन (A) सत्य है कि राजकीय कारखाने शाही उपयोग की वस्तुएं बनाते थे। परन्तु कारण (R) असत्य है क्योंकि इन कारखानों में दस्तकार **वेतनभोगी** होते थे और वे माल सीधे बाजार में नहीं बेच सकते थे; वह उत्पादन केवल राजकीय नियंत्रण में होता था।

प्रश्न: 100

सही उत्तर: A

wincompete

व्याख्या: विकल्प A सही सुमेलित है; इल्तुतमिश ने टका (चाँदी) और जीतल (ताँबा) चलाया। विकल्प B गलत है क्योंकि रुपया **शेरशाह सूरी** ने चलाया था (178 ग्रेन)। विकल्प C गलत है क्योंकि मुहर सोने का सिक्का था और दाम ताँबे का।